

GILLETTE & L'ORÉAL,

WOMEN USA

VOL. V

North Carolina • North Dakota • Ohio • Oklahoma
Oregon • Pennsylvania • Rhode Island • South Carolina



FERDINANDO FREGA ♦

GILLETTE & L'ORÉAL, WOMEN USA — VOL. V

L'ORÉAL THROUGH GILLETTE · 16

*नॉर्थ कैरोलाइना, नॉर्थ डकोटा, ओहायो, ओक्लाहोमा, ओरेगन, पेंसिल्वेनिया,
रोड आइलैंड, साउथ कैरोलाइना। अमेरिकी यात्रा का पाँचवाँ पड़ाव, एक तट
से दूसरे तट तक और वापस।*

अध्याय शून्य — साझा आरंभ

यह आरंभिक अध्याय Women of the United States के छहों भागों में साझा है। इसे यहाँ पूरा दिया गया है, और समेटकर रखा गया है ताकि श्रृंखला को बिना दोहराव के क्रम से पढ़ा जा सके।

अध्याय शून्य

यहाँ दुनिया कोई इलाका नहीं है: यह एक सीमा है। उत्तरी ध्रुव स्वागत नहीं करता, माफ़ नहीं करता, गलती की कोई गुंजाइश नहीं छोड़ता। सफ़ेदी यहाँ एक निरपेक्ष सत्ता की तरह राज करती है, खामोश और बिना स्मृति के। तापमान कोई मौसम का आँकड़ा नहीं है: यह एक शिकारी है। रात महीनों तक चलती है, विचारों को कुचल देती है, लोगों की रूपरेखा बिगाड़ देती है, उनकी इच्छाशक्ति निगल जाती है।

समुदाय गिने-चुने हैं, छोटे हैं, और बंद हैं। इनुइट, युपिक, आर्कटिक के लोग वहाँ रहते हैं जहाँ कोई भी रहना नहीं चुनेगा। यहाँ हर व्यक्ति समूह के अस्तित्व के लिए ज़रूरी है। अगर तुम काम के नहीं हो, तो तुम बोझ बन जाते हो। और जो बोझ बन जाते हैं, वे खामोशी में, बर्फ़ में, एक ऐसे वातावरण के तर्क में गुम हो जाते हैं जो कोई रियायत नहीं देता।

वैज्ञानिक अड्डे एक और तरह की ठंडक जोड़ते हैं: पदानुक्रमों की ठंडक। यहाँ औरत एक दुर्लभ उपस्थिति है, एक विसंगति, जिसे या तो ढलना होगा या हार माननी होगी।

इस जगह “गुम हो जाने” की अवधारणा ही नहीं है। बस सफ़ेदी है, जो सब कुछ मिटा देती है।

इनुइट और युपिक महिलाएँ

आर्कटिक की लड़की को लाड़-प्यार नहीं मिलता: उसे तैयार किया जाता है। वह जल्दी ही ठंड, अँधेरे और भूख को सहना सीख जाती है। उसे क़बीले के काम का बनना होता है, क्योंकि यहाँ पहचान निजी नहीं होती। वह कार्यात्मक होती है। औरत परिवार और समुदाय का बोझ उठाती है: भोजन, आग, बच्चे, खालें, देखभाल। अधिकारों की बात कोई नहीं करता। नाजुकी की बात कोई नहीं करता। अवसाद है, पर उसका कोई नाम नहीं। हिंसा है, पर उसका कोई गवाह नहीं।

वैज्ञानिक अड्डों की महिला

पढ़ी-लिखी, सक्षम, अनुशासन की आदी। वह शोधकर्ता, तकनीशियन और डॉक्टर बनकर आती है। जल्दी ही उसे पता चल जाता है कि उत्तरी ध्रुव डिग्रियों को नहीं पहचानता। यहाँ सिर्फ़ मानसिक मज़बूती गिनी जाती है। पुरुषों के पदानुक्रम उस पर हावी रहते हैं, और कमज़ोरी के किसी भी संकेत को कमज़ोरी ही समझा जाता है। यह एक ऐसा वातावरण है जहाँ ताक़त काफ़ी नहीं होती: चरम आत्म-नियंत्रण चाहिए।

पश्चिमी “बाहरी” महिला

आज़ादी में पली-बढ़ी, वह यह मानकर आती है कि ठंड को जीत लेगी। पर यह जगह उसे तोड़ देती है: अकेलापन, छोटी-छोटी जगहें, अंतहीन ख़ामोशियाँ। अड्डे समुदाय नहीं हैं, वे यंत्र हैं। और पुरुषों के बनाए यंत्र के भीतर एक औरत को गुम न हो जाने के लिए लड़ना पड़ता है।

दुनिया के छोर तक की यात्रा

मेरा पड़ोसी अंतोनियो, जिसे सब नीनो कहते थे, बरसों से नॉर्थ केप की, आधी रात के सूरज की, बिना अँधेरे वाले महीनों की बातें करता था। यह एक सपना था जिसे वह जब में रखे फिरता था, किसी असंभव चीज़ की तरह। मई की एक सुबह मैंने उसकी घंटी बजाई और बस इतना कहा: “अपना सूटकेस तैयार करो।

मैं एक घंटे में लौटूँगा। हम 30 दिन में वापस आएँगे।” उसने मुझे हैरानी से, खुशी से देखा। उसकी पत्नी ने, चिंतित होकर, पूछा कि हमारी योजना क्या है। “एक सपने का पीछा,” मैंने जवाब दिया।

हम गाड़ी में बैठ गए। हमारी पत्नियाँ हमें ऐसे देख रही थीं जैसे हम पागल हों। पर यह यात्रा सच्ची थी। नीनो के पास पहले से ही सवालों की भरमार थी। “हम कहाँ जा रहे हैं? मुझे कितने पैसे साथ ले जाने चाहिए?” “आराम से,” मैंने उससे कहा। “हम 54 घंटे में वहाँ पहुँच जाएँगे। बस 5,000 किमी। हम नई रेंज रोवर में हैं। सफ़र का मज़ा लो।”

हर 300 किमी पर मुझे रुकना पड़ता था: वह मुझसे बारह साल बड़ा था, उसकी अपनी रफ़्तार थी। मेरे पास पानी और पेय थे; उसके पास कॉफ़ी और शरीर की ज़रूरतें। और हम जितना आगे बढ़ते गए, वह अपनी ज़िंदगी के बारे में उतना ही ज़्यादा बोलता गया। ऐसी बातें जो मैं कभी न जान पाता अगर वह अंतहीन सड़क न होती।

गाड़ी में अकेले दो आदमी, हमेशा औरतों की बातें करते हुए। वह सिर्फ़ अपनी पत्नी को जानता था। मैं हँसा। मैंने उसे तसल्ली दी: “हम सब ऐसे ही हैं।”

उसने मुझसे पूछा कि 60 घंटे गाड़ी चलाते हुए मैं होश में कैसे रह पाता हूँ। मैंने उसे रूस के बारे में बताया, जब 22 साल की उम्र में मैंने एक ऐसी औरत से मिलने के लिए 51 घंटे गाड़ी चलाई थी जिससे मैं कभी मिला नहीं था। “दूरियाँ सीमाएँ नहीं हैं,” मैंने उससे कहा, “वे बहाने हैं। मेरे पास कभी कोई बहाना नहीं रहा।”

सफ़ेदी में आगमन

हम नॉर्वे में दाखिल हुए। सड़क किनारे एक हॉस्टल। हम गाड़ी वहीं छोड़कर स्लेज से आगे बढ़ने वाले थे।

गाइड पूरी तरह ढकी हुई थी, अभेद्य। जब उसने अपना चश्मा उतारा, तब मुझे पता चला कि वह एक औरत है। एक नॉर्वेजियन औरत, ख़ामोश, सीधी, बर्फ़ जैसी। नीनो स्लेज के बीच में, वह आगे, और मैं अपने 190 सेमी के साथ पीछे, सबसे आखिर में।

अब भी दिन का उजाला था। मेरी घड़ी समय दिखा रही थी, पर यह नहीं बता रही थी कि रात है या सुबह। यह आधी रात का सूरज था। हम नॉर्थ केप पहुँच गए थे।

नीनो रो पड़ा। उसने मुझे गले लगा लिया। मैंने हँसते हुए उससे कहा, "संभलकर... लोग सोचेंगे कि हम गे हैं।" हम हँसे, पर हम दुनिया के छोर पर थे।

फिर आया पाला: -52°C ।

असली आर्कटिक में प्रवेश

वे हमें कपड़े बदलने के लिए एक धातु के कंटेनर में ले गए। बेहद भारी, गद्देदार सूट, उलझी हुई ज़िपों से बंद होने वाले।

गाइड का पैसा मैंने दिया। नीनो को कुछ आदमियों के साथ एक इग्लू में छोड़ दिया गया; मुझे दूसरे में एक परिवार के साथ: एक बूढ़ा आदमी, 70 से 80 के बीच, और 30 से 50 के बीच की तीन औरतें।

वह एक बंद दुनिया थी। सरल। क्रूर।

आदमी एक तरफ़ रहता था। औरतें काम की रफ़्तार बनाए रखती थीं। और शौचालय इग्लू से पाँच मीटर दूर एक टीला था: टट्टी ज़मीन छूने से पहले ही जम जाती थी। मेरा पहला पेशाब एक पीला आर्कटिक तारा बन गया। यह उत्तर था जो मुझे सलाम कर रहा था।

बीच की उम्र वाली औरत, माजी, थोड़ी-बहुत अंग्रेज़ी बोलती थी। बाक़ी सब इशारे थे, आँखें, हाथ। ठंड की भाषा।

जब मुझे समझ नहीं आ रहा था कि सूट कैसे इस्तेमाल करूँ, तो उसने, बिना सोचे, एक छिपी हुई ज़िप दिखाने के लिए मेरी जाँघों के बीच छुआ। न कोई बुरी नीयत थी, न कोई शर्म: बस काम। ज़िंदा रहना।

इग्लू में तीन दिन

वे खाना लाए। धुएँ में पकी मछली, कच्ची मछली, कॉड का कलेजा, व्हेल का पेट। और शार्क के गोले। कोई विकल्प नहीं था। कोई दूसरा रास्ता नहीं था। यह वही था जो प्रकृति देती है।

फिर मैंने पिया: एक लाल तरल। मुझे लगा शराब है। वह छाना हुआ, उबाला हुआ, मीठा किया हुआ व्हेल का खून था। मैंने उसे पी लिया। उसने मुझे ऐसी ताक़त दी जो मैंने पहले कभी महसूस नहीं की थी। एक आदिम ऊर्जा। मुझे लगा कोकीन है। नहीं। यह उत्तर था जो शरीर में उतर रहा था।

औरतें मुझे देखती रहीं। बूढ़ा शिकार पर निकल गया। मैं आराम करता रहा और खून पीता रहा। तीन दिन बिना फ़ोन, इंटरनेट, कंप्यूटर के, बिना नीनो के। बस मैं और वे।

रात नहीं थी। बस रोशनी, आग, बर्फ़ और साँस।

तीनों औरतें सोने के लिए लेट गईं। मैं जगह ढूँढ़ने लगा। सबसे छोटी ने अपनी बाँह उठाई और मुझे पास आने का इशारा किया। वे ठहाका मारकर हँस पड़ीं। मुझे समझ नहीं आया। उन्होंने कहा कि मैं उनका “क्रिसमस” हूँ।

यह कहने का एक तरीका कि मुझे अपना लिया गया था।

मैंने धन्यवाद कहने के लिए उन्हें कुछ पैसे देने की कोशिश की। उन्होंने मना कर दिया। उन्हें बस एक आलिंगन चाहिए था। और कैलाब्रियाई में कुछ शब्द, ताकि वे खुद को और करीब महसूस कर सकें।

वहाँ मैंने सच्चे उपहारों का मूल्य समझा: वे जिन्हें न खरीदा जा सकता है, न बेचा।

गाइड की विदाई

तीन दिन बाद गाइड आई। उसने तीनों औरतों से एक घंटे तक बात की। मैं बाहर था। मुझे समझ नहीं आया कि वे क्या कह रही थीं। यह मेरा मामला नहीं था। यह उनकी भाषा थी, उनकी दुनिया, उनका क़ानून।

कंटेनर में, जब मैं कपड़े उतार रहा था, गाइड अंदर आई। जिज्ञासु। सीधी। उत्तरी। उसने मुझे कसकर गले लगाया। उसने मुझे चूमा। उसकी त्वचा दूध जैसी सफ़ेद थी। उसकी आँखें अगस्त के आसमान जैसी नीली थीं।

उसने मुझसे कहा कि मैं उसे अपने साथ ले चलूँ। उस दुनिया से निकलने के लिए वह कुछ भी कर गुज़रती।

मैं आदर से मुस्कुराया। मैं ऐसा नहीं कर सकता था। मुझे ऐसा करना भी नहीं चाहिए था।

मैंने उसके पास सिर्फ एक वादा छोड़ा: "अगर तुम्हें कुछ भी चाहिए, मुझे एक चिट्ठी लिखना। मैं तुम्हारी मदद करूँगा।" उसने पैसे भी लेने से मना कर दिया। वह एक सुंदर औरत थी, पर अकेली। ऐसा अकेलापन जो दूर से दिखाई नहीं देता। ऐसा अकेलापन जिसे ठंड माफ़ नहीं करती।

घर वापसी

हम नीनो को लेने गए। वह रोमांचित था। वह वापस जाना नहीं चाहता था। पर मेरी उसकी पत्नी से मुलाकात तय थी।

उसने सबको अपने तीन दिनों के बारे में बताया। मैं चुप रहा। मैंने उस आदमी से कभी कुछ साझा नहीं किया। सिर्फ कागज़ से।

और इस तरह, जब नीनो अपनी दुनिया में लौट रहा था, मैं पहले ही दूसरी दुनिया की ओर निकल चुका था। एक और मंज़िल। एक और मुलाकात।

स्वागत है।

उपसंहार

उत्तर तुम्हें ले नहीं जाता: वह तुम्हें बदल देता है। और वह तुम्हें कभी

पूरा वापस नहीं लौटाता। मर्द उत्तरी ध्रुव पर रोशनी, खामोशी, तस्वीरें, सपने ढूँढने आते हैं। औरतें ज़िंदा रहने के लिए रुकती हैं।

मर्द बताते हैं कि उन्होंने क्या देखा। औरतें उस पर चुप रहती हैं जो उन्होंने जिया।

मर्द लौट जाते हैं। औरतें रह जाती हैं। वे ठंड में रह जाती हैं, बर्फ़ के घरों में, अनसुनी खामोशियों में। वे उन समुदायों को सहारा देने के लिए रह जाती हैं जो उनका गुणगान नहीं करते। वे बच्चों, बूढ़ों, अजनबियों की रक्षा के लिए रह जाती हैं। वे अदृश्य रह जाती हैं।

मैं वहाँ से सिर्फ एक स्मृति लेकर आया: एक सुंदर, बेहद सुंदर औरत, पर अकेली। रोमानी अर्थ में नहीं। मानवीय अर्थ में। त्रासद अर्थ में।

चिंतन

उत्तर शरीर को नहीं मारता। वह उपस्थिति को मारता है। और जो बचता है वह सफ़ेदी है: एक ऐसी जगह जहाँ औरतें एक ही समय में जीती भी हैं और गुम भी हो जाती हैं।

इसीलिए मैं लिखता हूँ। क्योंकि चरम जगहें अपनी कहानी खुद नहीं सुनातीं। और जो उनसे होकर गुज़रते हैं, वे चुप रहने की विलासिता नहीं उठा सकते।

मैं नहीं। मैं नहीं। मेरी धरती ने मुझे जन्म दिया, और बाक़ी दुनिया मेरा स्वागत किसी मेहमान की तरह नहीं, बल्कि परिवार के एक सदस्य की तरह करती है।

उत्तर की निरपेक्ष सफ़ेदी से मैं संयुक्त राज्य अमेरिका की निरपेक्ष उलझन में उतर आया।

संयुक्त राज्य अमेरिका

असंभव काम

अठारह साल एक अमेरिकी कंपनी के लिए काम करना तुम्हें वह देता है जो दुनिया की कोई और कंपनी नहीं दे सकती: एक कार्य-संस्कृति, प्रक्रियाएँ, एक स्पष्ट मिशन, और मूल्यों की एक व्यवस्था जो सिद्धांत नहीं है—वह रोज़ का अभ्यास है। वे उन्हें तुम्हें समझाते नहीं; वे उन्हें तुम्हारे भीतर गढ़ देते हैं। और वे यह तुम्हारी इजाज़त माँगे बिना करते हैं।

मैं न्यूयॉर्क के दफ़्तर में था जब मुझे एक ऐसा काम पेश किया गया जिसकी मैंने कभी कल्पना नहीं की थी। पदोन्नति नहीं। तबादला नहीं। एक प्रयोग।

एक गोपनीय कार्यक्रम, जो संयुक्त राज्य अमेरिका के भीतर मानवीय संबंधों के एक मॉडल को परखने के लिए बनाया गया था। उन्होंने मैनेजर, मनोवैज्ञानिक या प्रशिक्षक नहीं चुने थे। उन्होंने असली दुनिया के एक खास तरह के अनुभव वाले लोगों को चुना था। और मेरा नाम सामने आया—हालाँकि मैं अठारह साल से सेल्स में था। वे पद को नहीं देख रहे थे: वे दिमाग़ को देख रहे थे।

परीक्षा समझाने में सरल थी और पूरी करने में बेहद कठिन:

एक साल में अमेरिका के 50 राज्यों का दौरा करना, शहर खुद चुनते हुए और हर एक में कम से कम एक हफ़्ता रुकते हुए।

आखिरी दो हफ़्ते ज़बरदस्ती की छुट्टी होंगे। सारा खर्च वे उठाएँगे। मुझे बस जीना था, देखना था, समझना था, और हर सोमवार एक रिपोर्ट भेजनी थी। एक मानवीय, सूखा, सटीक ब्योरा।

मैंने अनुबंध पर दस्तखत कर दिए। मैंने घर पर ख़बर कर दी। उन्होंने कुछ नहीं पूछा। वे बस यह जानना चाहते थे कि महीने का राशन पहुँचा या नहीं। मैं अमेरिका में एक साल का सामना करने जा रहा था। वे, हमेशा की तरह, अगले महीने का सामना कर रहे थे।

एहतियात के तौर पर, मेरी तनख़्वाह सीधे इटली में मेरे बैंक खाते में जमा की जाती थी। यह मुझे से यह कहने का एक शिष्ट तरीक़ा था: “कोई बेवकूफी मत करना। जो तुम्हारे पास है उसी से जीना। देखते हैं तुम असल में कौन हो।”

सिर्फ़ पंद्रह साल बाद ही मुझे अपनी मूल रिपोर्टों, विश्लेषणों और उस सामग्री तक पहुँच मिली जो उन्होंने मेरे बारे में इकट्ठा की थी। यह किताब वहीं से जन्मी। मुझे इसे प्रकाशित करने की मंजूरी मिल गई, एक शर्त पर: उस कंपनी का नाम कभी न लेना जिसने इसे करवाया था।

इससे कोई फ़र्क़ नहीं पड़ता। यह कहानी लोगो के बारे में नहीं है। यह एक ऐसे देश में एक आदमी के बारे में है जिसे खुद जिए बिना समझना असंभव है।

क्या मैं सबसे दूर के बिंदु से शुरू करूँ?

तार्किक चुनाव था हाशिये से शुरू करना, केंद्र से नहीं। दो सरल कारणों से:

1. मैं प्रयोग से ताज़ा-ताज़ा निकला था: पूरी स्पष्टता, अधिकतम ध्यान।
2. छोर से शुरू करके मैं रास्ता सुधार सकता था और यात्रा को साफ़-सुथरे ढंग से ख़त्म कर सकता था।

मुझे बोस्टन या शिकागो से शुरू करने की ज़रूरत नहीं थी। मुझे एक सरहद से शुरू करना था। एक ऐसी जगह से जो सिर्फ़ कागज़ पर अमेरिका थी।

मैंने जूनो चुना, अलास्का की राजधानी। कटा हुआ। सिर्फ़ नाव या हवाई जहाज़ से पहुँचने लायक़। एक ऐसा शहर जो किसी का नहीं है। शुरुआत के लिए एकदम सही जगह।

संसाधनों का सही उपयोग

निकलने से पहले मैंने वह किया जिसका एक अमेरिकी सबसे पहले सम्मान करता है: मैंने खुद को एक पेशेवर की तरह संगठित किया, किसी पर्यटक की तरह नहीं।

मैंने तीन सबसे लोकप्रिय एयरलाइनों को फ़ोन किया, जिनके घरेलू नेटवर्क सबसे बड़े थे। एक घंटे से भी कम में मैंने 60% छूट पर पचास घरेलू उड़ानों की एक टिकट-पुस्तिका ख़रीद ली।

कोई समय-सीमा नहीं। दिनों की कोई सीमा नहीं। कोई पाबंदी नहीं। बस एक शर्त: उन्हें एक साल के भीतर इस्तेमाल करना।

मैंने होटल चेनों, उबर टैक्सियों और कार किराये की कंपनियों के साथ भी यही किया, और फिर पड़ावों का, तरीक़ों का एक ठीक-ठाक कार्यक्रम बनाया, पर समय का नहीं।

मैं तैयार था।

यह मेरी पहली असली कामयाबी थी। पहला संकेत कि मुझे चलना-फिरना आता था। अमेरिका उन्हें इनाम देता है जो कुछ करते हैं, उन्हें नहीं जो इंतज़ार करते हैं।

जब कंपनी ने यह लेन-देन देखा, तो उसने वही किया जो एक अमेरिकी संस्कृति हमेशा करती है: उसने भरोसेमंदी जाँची।

क्या मैं लगातार आवाजाही का एक साल सँभाल सकता था? क्या मैं अप्रत्याशित घटनाओं, दूरियों और आपात स्थितियों से निपट सकता था? क्या मैं आत्मनिर्भर था?

इसीलिए, निकलने से पहले, मैंने एक और निर्णायक बात तय की:

मैंने यह सुनिश्चित किया कि मेरे क्रेडिट कार्ड पर हर महीने कम से कम \$100,000 की क्रेडिट सीमा हो।

यह खर्च करने के लिए नहीं था। यह दिखाने के लिए था कि हम उन्हें सँभाल सकते हैं। अमेरिकी ऐसे ही सोचते हैं: अगर तुम्हारे पास स्वायत्तता नहीं है, तो तुम्हारे पास आज़ादी नहीं है। और अगर तुम्हारे पास आज़ादी नहीं है, तो तुम्हारा मूल्यांकन नहीं हो सकता।

उस पल से कार्यक्रम अब एक काम नहीं रहा। वह एक मिशन बन गया।

और अब हम सचमुच यात्रा करते हैं

अलास्का सिर्फ भूगोल के हिसाब से संयुक्त राज्य अमेरिका का हिस्सा है। यह एक और ही दुनिया है।

यह वह जगह है जहाँ औरतें बिना कोई निशान छोड़े गुम हो जाती हैं। जहाँ कोई शिकायत कभी अपनी मंज़िल तक नहीं पहुँचती। जहाँ शहर एक जंगली महाद्वीप के बीच सभ्यता के टापू भर हैं।

जूनो मेरी पहली परीक्षा थी: एक राजधानी जिसे बाक़ी देश से कोई सड़क नहीं जोड़ती। अमेरिका का एक टुकड़ा जो अमेरिका जैसा नहीं लगता।

यहाँ मुझे कुछ समझ आने लगा: यह यात्रा भौगोलिक नहीं होगी। यह मानवीय होगी।

खंड 1 (भाग I)

अलाबामा – अलास्का – एरिज़ोना – अर्कांसस – कैलिफ़ोर्निया – कोलोराडो – कनेक्टिकट – डेलावेयर – फ़्लोरिडा – जॉर्जिया

खंड 2 (भाग II)

हवाई – आइडाहो – इलिनॉय – इंडियाना – आयोवा – कैनसस – केंटकी – लुइज़ियाना – मेन – मैरीलैंड

खंड 3 (भाग III)

मैसाचुसेट्स – मिशिगन – मिनेसोटा – मिसिसिपी – मिसौरी – मोंटाना – नेब्रास्का
– नेवाडा – न्यू हैम्पशायर – न्यू जर्सी – न्यू मेक्सिको

खंड 4 (भाग IV)

न्यूयॉर्क – वॉशिंगटन

खंड 5 (भाग V)

नॉर्थ कैरोलाइना – नॉर्थ डकोटा – ओहायो – ओक्लाहोमा – ओरेगन –
पेंसिल्वेनिया – रोड आइलैंड – साउथ कैरोलाइना

खंड 6 (भाग VI)

साउथ डकोटा – टेनेसी – टेक्सस – यूटा – वरमॉन्ट – वर्जीनिया – वेस्ट वर्जीनिया
– विस्कॉन्सिन – वायोमिंग

नॉर्थ कैरोलाइना

नॉर्थ कैरोलाइना एक ऐसा राज्य है जो दो पटरियों पर जीता है। एक तरफ़ “नया अमेरिका” है: विश्वविद्यालयों का शोध, तकनीक, स्टार्टअप, डॉक्टर, इंजीनियर, शोधकर्ता, और आधुनिक, बढ़ते शहर। दूसरी तरफ़ “पुराना अमेरिका” है: – गरीब देहात – अलग-थलग समुदाय – भारी परंपराएँ – शारीरिक श्रम – दूर की स्वास्थ्य सेवाएँ – अब भी कठोर भूमिकाएँ। ये दोनों साथ नहीं जीते। ये एक-दूसरे को अनदेखा करते हैं। यहाँ औरतें इस पर निर्भर करते हुए गायब होती हैं कि वे कहाँ पैदा हुईं: – आधुनिकता में, दबाव और प्रतिस्पर्धा के कारण – देहात में, अलगाव और परंपरा के कारण – मझोले शहरों में, कम वेतन वाले काम और सेवाओं की कमी के कारण – ऐतिहासिक अश्वेत समुदायों में, दोहरे संघर्ष के कारण: नस्ल का और लिंग का।

नॉर्थ कैरोलाइना ऊपर से शिष्ट है और ब्योरों में क्रूर।

रिसर्च ट्रायंगल की महिला – 33 वर्ष

सारा एक स्टार्टअप में डेटा विश्लेषक है। पढ़ाकू, प्रतिभाशाली और अच्छी तरह तैयार, वह ऐसे माहौल में काम करती है जो खुद को प्रगतिशील, "यूरोपीय" और आधुनिक बताकर बेचता है।

सच यह है: – लंबे घंटे – अंतहीन अपेक्षाएँ – हर हफ्ते बदलते लक्ष्य – युवा मैनेजर जो बिना समझे लोगों को निचोड़ डालते हैं – औरतें जिन्हें आधी पहचान पाने के लिए दोगुनी मेहनत करनी पड़ती है।

सारा ने पढ़ाई की, बरसों लगाए, अपनी ज़िंदगी और अपना समय कुर्बान किया। और अब वह एक ऐसी व्यवस्था में है जो उसी दिन उसकी तारीफ़ भी करती है और उसे खा भी जाती है।

उसकी अनुपस्थिति पेशेवर है: भविष्य बनाने के लिए वह ज़रूरी है, पर उसे बचाने वाला कोई नेटवर्क नहीं है।

ग्रामीण महिला – 49 वर्ष

आधुनिकता से सौ किलोमीटर दूर एक और नॉर्थ कैरोलाइना है। दूर-दूर बने घर, तंबाकू और सोयाबीन के खेत, लंबी सर्दियाँ, कठोर गर्मियाँ। बिना फुटपाथ, बिना दुकानों, बिना किसी चीज़ की सड़कें।

लिंडा ऐसे ही एक इलाक़े में रहती है। वह एक स्थानीय दुकान में पार्ट-टाइम काम करती है। हर चीज़ के लिए उसे मीलों जाना पड़ता है: डॉक्टर, दवाख़ाना, स्कूल, बैंक। उसका पूरा दिन उसके कंधों पर है: – बच्चे – घर – बुजुर्ग – काम – छोटे-मोटे काम – आपात स्थितियाँ जिन्हें वह अकेले सुलझाती है।

वह चुन नहीं सकती। वह बदल नहीं सकती। मीलों की थोपी हुई दिनचर्या को वह तोड़ नहीं सकती।

उसकी अनुपस्थिति भौगोलिक है: वह इतनी दूर रहती है कि दिखाई नहीं देती।

मिड-सिटी की अफ़्रीकी अमेरिकी महिला –

38 वर्ष। किम शार्लट के एक कॉल सेंटर में काम करती है। वह स्क्रिप्ट, टाइमर, मापदंडों और ऐसे सुपरवाइज़रों के साथ काम करती है जो हर ब्रेक पर नज़र

रखते हैं।

उसके दो बच्चे हैं और एक माँ जिसकी देखभाल करनी है। शहर बढ़ रहा है, कंपनियाँ आ रही हैं, गगनचुम्बी इमारतें खड़ी हो रही हैं। पर असली अवसर उस तक नहीं पहुँच रहे।

नॉर्थ कैरोलाइना विकास की बात करता है, पर वह विकास अश्वेत समुदायों के ऊपर से बिना रुके गुज़र जाता है।

किम सँभालती है: – भावनात्मक रूप से थका देने वाला काम – बच्चों की पढ़ाई – रोज़ की थकान – बढ़ते खर्च – एक सामाजिक गतिशीलता जो असल में है ही नहीं।

उसकी अनुपस्थिति नस्लीय और आर्थिक है: वह शहर का स्तंभ है, पर कभी शिखर तक नहीं पहुँचती।

तटों की महिला – 41 वर्ष

तान्या तट पर रहती है। समुद्र सुंदर है, घर सजे-सँवरे हैं, और पर्यटन मज़बूत है। पर असली ज़िंदगी कुछ और है।

एक रिज़ॉर्ट में काम: – कमरे – कपड़े धोना – सफ़ाई – पर्यटकों का स्वागत – लंबी पालियाँ – कम मज़दूरी

गर्मियाँ बोझ से लदी होती हैं। सर्दियाँ खामोशी हैं और ऐसे हिसाब जो कभी पूरे नहीं पड़ते।

तटीय नॉर्थ कैरोलाइना तस्वीरों में बहुत सुंदर लगता है, पर वह उन औरतों की मेहनत पर टिका है जो उस समृद्धि को कभी नहीं देख पाएँगी।

उसकी अनुपस्थिति आर्थिक है: सब कुछ पर्यटन के इर्द-गिर्द घूमता है, पर जो उसे सँभालती हैं उन्हें उनका हक़ नहीं मिलता।

उपसंहार – नॉर्थ कैरोलाइना

नॉर्थ कैरोलाइना एक-दूसरे से बहुत दूर की गतियों में बँटा हुआ राज्य है। औरतें हर जगह इसकी क़ीमत चुकाती हैं: उस तकनीक में जो अवसरों का वादा करती

है पर सहारा नहीं देती, उस देहात में जो अलग-थलग कर देता है, उन शहरों में जो बिना समावेश के बढ़ते हैं, और उन तटों पर जो छोटे और कठिन मौसमों पर जीते हैं।

यह एक ऐसा मिटाया जाना है जो आधुनिक भी है और प्राचीन भी। औरतें राज्य के हर कोने में प्रेरक शक्ति हैं, पर राज्य उन्हें बस एक ज़रूरी मौजूदगी मानता है।

चिंतन - नॉर्थ कैरोलाइना

इस भाग का हर राज्य अनुपस्थिति का एक अलग रूप दिखाता है। नॉर्थ कैरोलाइना वह रूप दिखाता है जो भीतरी दूरी से पैदा होता है: अमीर और गरीब के बीच, शहर और देहात के बीच, नए और पुराने के बीच, राज्य जो वादा करता है और जो देता है उसके बीच की खाई।

औरत हमेशा बीच में जीती है। वह वह रेखा है जो उन दुनियाओं को जोड़ती है जो एक-दूसरे से बात नहीं करतीं। और ठीक इसलिए कि वह सब कुछ जोड़े रखती है, कोई उसे केंद्र में नहीं रखता।

यह अध्याय इसे बिना किसी परदे के कहने के लिए है: आधुनिकता अपने आप किसी को आज़ाद नहीं करती। हमें उन्हें पहचानना होगा जो सचमुच उसे संभालती हैं।

नॉर्थ डकोटा

नॉर्थ डकोटा एक बेरहम धरती है। चरम सर्दियाँ, त्वचा चीर देने वाली हवाएँ, लंबी खाली सड़कें, छोटे दूरदराज़ कस्बे, अदृश्य मूलनिवासी समुदाय, और तेल के मैदान जो पूरे दृश्य पर हावी हैं।

यह एक ऐसा राज्य है जहाँ औरतें दो विरोधी ताकतों के बीच जीती हैं: प्रकृति जो हुक्म चलाती है और समाज जो बदलता नहीं।

यह ऐसी जगह है जो खुशी से ज़्यादा सहनशक्ति को इनाम देती है। और इसी तर्क के भीतर औरतें रोज़मर्रा के ब्योरो में गायब हो जाती हैं: – कम वेतन वाली नौकरियों में – भौगोलिक अकेलेपन में – सेवाओं की कमी में – कठोर

पारिवारिक भूमिकाओं में – अलग-थलग समुदायों में – पुरुष-प्रधान अर्थव्यवस्था की थोपी हुई लय में।

नॉर्थ डकोटा बुरा नहीं है। वह खुरदुरा है। और उसके खुरदुरेपन में बहुत-सी औरतें बिना आवाज़ के निगल ली जाती हैं।

तेल रिग की महिला – 35 वर्ष

जेसिका विलिस्टन में रहती है, तेल के शहर में। वह एक संयंत्र में समन्वय का काम करती है। वह एक पुरुष-प्रधान जगह की गिनी-चुनी औरतों में से एक है, जहाँ भारी पालियाँ हैं, विशाल ट्रक हैं, कार्यशालाएँ हैं और लगातार शोर है।

हर दिन एक परीक्षा है: – अनुचित मज़ाक – बेकार की टिप्पणियाँ – सम्मान जो दस गुना कमाना पड़ता है – काम पर जोखिम – शून्य निजता।

तनख्वाह अच्छी है, पर इंसानी क़ीमत बहुत बढ़ी है। उसकी कोई सच्ची सहेली नहीं है। उसका कोई स्थिर रिश्ता नहीं है। उसके पास कोई सहारे का नेटवर्क नहीं है।

उसकी अनुपस्थिति सामाजिक है: मर्दों से घिरी हुई, फिर भी अकेली।

मूलनिवासी महिला – 40 वर्ष

नॉर्थ डकोटा में बहुत-से मूलनिवासी समुदाय भुला दिए गए हैं। घर कम हैं, अवसर नहीं हैं, स्कूल कमज़ोर हैं, और अस्पताल दूर हैं। मूलनिवासी औरतें घावों की ऐसी विरासत ढोती हैं जिसे राज्य ने कभी भरा नहीं।

अलाना के चार बच्चे हैं। वह एक सामुदायिक केंद्र में पार्ट-टाइम काम करती है। उसके लोगों का इतिहास हर जगह लिखा है: उनके चेहरों में, उनकी ख़ामोशियों में, उनकी अनुपस्थितियों में।

समस्याएँ लगातार बनी रहती हैं: – बेरोज़गारी – फैली हुई लतें – लगभग न के बराबर सरकारी सहायता – नाज़ुक बुनियादी ढाँचा – सामाजिक अवसाद।

उसकी अनुपस्थिति ऐतिहासिक और संरचनात्मक है: संस्कृति मज़बूत है, पर वर्तमान उसे अनदेखा करता है।

छोटे-छोटे कस्बों की महिला – 50 वर्ष

नॉर्थ डकोटा ऐसे कस्बों से बना है जो नक्शों पर दिखते ही नहीं। पाँच सड़कें, एक स्कूल, एक चर्च और एक पेट्रोल पंप।

कैरन ऐसे ही एक कस्बे में रहती है। वह एक छोटी किराने की दुकान में काम करती है। हर दिन वह वही लोग, वही हाव-भाव, वही बातचीत देखती है।

अस्पताल तक पहुँचने के लिए एक घंटा गाड़ी चलानी पड़ती है। कोई दूसरी नौकरी ढूँढ़ने के लिए उससे भी ज़्यादा। ज़रा-सी भी कोई नई चीज़ पाने के लिए दो घंटे लगते हैं।

उसकी अनुपस्थिति भौगोलिक है: उसके पास कोई विकल्प नहीं है। उसकी जिंदगी उस जगह से तय होती है जहाँ वह रहती है।

कृषि सीमांत की महिला –

47 वर्ष

मेगन राज्य के सबसे ज़्यादा खेती वाले इलाक़े में रहती है। अंतहीन खेत, ट्रैक्टर, फ़सलें, और बर्फ़ जो बहुत जल्दी गिर जाती है।

खेत का काम: – जानवर – औज़ार – अस्तबल – रखरखाव – हिसाब-किताब – खाना बनाना – परिवार – आपात स्थितियाँ जिन्हें हमेशा सँभालना है।

यहाँ खेत की औरत जितना दिखता है उससे दोगुने से भी ज़्यादा बोझ उठाती है। बाँहें, दिमाग़, प्रबंधन, रीढ़। पर इस सबको “खेत में हाथ बँटाना” कहा जाता है।

उसकी अनुपस्थिति सांस्कृतिक है: वह सब कुछ करती है, पर उसे कभी अर्थव्यवस्था का केंद्रीय हिस्सा नहीं माना जाता।

उपसंहार – नॉर्थ डकोटा

नॉर्थ डकोटा एक ऐसा राज्य है जो रक्षा नहीं करता। वह ताक़त माँगता है, सहनशक्ति माँगता है, धैर्य माँगता है। औरत पूरी लगन से जवाब देती है, पर राज्य उसे जवाब नहीं देता।

तेल रिग से मूलनिवासी आरक्षित क्षेत्र तक, छोटे-छोटे गाँवों से अलग-थलग खेतों तक, औरतें गायब नहीं होतीं; ज़मीन उन्हें सोख लेती है, जैसे उनकी मौजूदगी तो होनी ही थी।

चिंतन – नॉर्थ डकोटा

हर अनुपस्थिति का एक कारण होता है। नॉर्थ डकोटा में कारण खुद धरती है: विशाल, कठोर, दूरदराज़, अकुशल, अपनी अर्थव्यवस्था में मर्दाना, अपने बदलाव में धीमी।

औरत ऐसे दृश्य में जीती है जिसमें नाजुकता के लिए कोई जगह नहीं, ऐसे समाज में जो उसकी मेहनत को दृश्य का एक अनिवार्य हिस्सा मानता है।

वह इसलिए अदृश्य नहीं है कि उसका कोई मोल नहीं: वह इसलिए अदृश्य है कि यहाँ धरती लोगों से बड़ी है।

और यह अध्याय हमें याद दिलाने के लिए है: ताक़त कोई चुनाव नहीं है। कुछ जगहों पर वही एकमात्र विकल्प है।

ओहायो

ओहायो ख़ामोश अमेरिका का आईना है। यह ढह चुके औद्योगिक शहरों, दिशाहीन उपनगरों, ख़ाली परिवारों, भागते युवाओं और ऐसी नौकरियों का राज्य है जो अब किसी चीज़ की गारंटी नहीं देतीं। यह एक ऐसी धरती है जो कभी सब कुछ पैदा करती थी और अब इंतज़ार पैदा करती है: बेहतर भविष्य का इंतज़ार, उस अवसर का इंतज़ार जो कभी नहीं आता, उस बदलाव का इंतज़ार जो धीरे-धीरे, लगभग ठहरा हुआ चलता है।

यहाँ औरत उन हिस्सों को जोड़े रखती है जिन्हें राज्य को सँभालना चाहिए: – टूटे परिवार – अस्थिर आमदनी – नशे से घायल समुदाय – टुकड़े-टुकड़े होते घर – जूझते स्कूल – बोझ से दबी सामाजिक सेवाएँ।

ओहायो औरत को मारता नहीं। वह उसकी साँस छीन लेता है। धीरे-धीरे, चुपचाप, हर दिन थोड़ा-थोड़ा।

ढह चुके औद्योगिक शहर की महिला –

46 वर्ष

मिशेल क्लीवलैंड में रहती है, एक ऐसे मोहल्ले में जो कभी काम से गूँजता था। उसके पिता एक फ़ैक्टरी में काम करते थे। उसके दादा भी। फिर सब बदल गया: कारख़ानों का दूसरी जगह जाना, बंद होना, दिवालिया होना।

अब वह एक सुपरमार्केट में काम करती है: बदलती पालियाँ, कम तनख़्वाह, कोई सुरक्षा नहीं। हर महीने उसे दिवालिया होने से बचने के लिए बारीक़ हिसाब लगाना पड़ता है।

घर पुराना है, मोहल्ला नाज़ुक है, अवसर कम हैं।

उसकी अनुपस्थिति आर्थिक और पीढ़ीगत है: वह ठीक उस बिंदु पर जीती है जहाँ एक पूरी औद्योगिक पहचान ढह गई, और अपने साथ उन औरतों को भी ले गई जो कोई दूसरा भविष्य नहीं चुन पाईं।

वह महिला जो ओपिओइड

संकट के दौरान परिवार पालती है – 38 वर्ष। ओहायो अमेरिका में ओपिओइड महामारी की राजधानियों में से एक है। दवा कंपनियाँ, लापरवाह डॉक्टर, नाज़ुक समुदाय: एक धीमा विस्फोट जिसने पूरे के पूरे परिवार तबाह कर दिए।

एमिली डेटन में रहती है। तीन साल पहले उसके पति की नशे की ओवरडोज़ से मौत हो गई। उसके दो बच्चे हैं और वह एक क्लिनिक में रिसेप्शनिस्ट का काम करती है। हर दिन वह जाने-पहचाने चेहरे देखती है: हताश माँएँ, टूटे हुए युवा, पिता जो बच नहीं पाए।

ओहायो “ओपिओइड संकट” की बात करता है। वह अनुपस्थिति की बात करती है: एक खोया हुआ आदमी, एक टूटा परिवार, एक बोझ जो पूरा का पूरा उसके कंधों पर आ गिरा है।

उसकी अनुपस्थिति भावनात्मक और सामाजिक है: वह बच्चों को घर में सँभाले रखती है और काम को चलाए रखती है, जबकि जिस व्यवस्था ने समस्या पैदा की वह उसे ठीक करने के लिए कुछ नहीं करती।

गरीब गोरे उपनगर की महिला - 28 वर्ष

सामंथा एक ऐसे उपनगर में रहती है जो किसी उबाऊ फ़िल्म से निकला लगता है: वॉलमार्ट, पेट्रोल पंप, बने-बनाए घर, फ़ास्ट फूड रेस्तराँ, अंतहीन पार्किंग।

वह मैकडॉनल्ड्स में काम करती है। दोहराई जाती पालियाँ, मशीनी हरकतें, चिड़चिड़े ग्राहक, और हर महीने बदलता प्रबंधन। वह बस ज़िंदा रहने भर कमाती है, आगे बढ़ने भर कभी नहीं।

उसकी माँ अब काम नहीं करती। उसका साथी कभी है, कभी नहीं। उसके सपने हैं जिन्हें वह नहीं जानती कहाँ रखे। उसकी अनुपस्थिति सामूहिक है: वह उसी हालत वाले लोगों से घिरी है, और इससे उसकी मेहनत और भी अदृश्य हो जाती है।

जो बहुत-से लोगों के लिए सामान्य है, उसे कोई नहीं देखता।

कृषि क्षेत्र की महिला - 54 वर्ष

शहरों के बाहर एक ऐसा ओहायो है जो खेती, छोटे पशुपालन और शारीरिक मेहनत पर जीता है। यहाँ महिलाएँ सब कुछ सँभालती हैं: हिसाब-किताब, पशु, फ़सलें, बच्चे, बुजुर्ग और घर।

लिंडा लैंकेस्टर के पास एक फ़ार्म पर रहती है। उसके बच्चे बड़े हो चुके हैं, उसका पति बाहर काम करता है, और वह पीछे रहकर वह सब सँभालती है जो ज़मीन माँगती है।

वह हफ़्ते के सातों दिन काम करती है, गर्मी, सर्दी, बारिश और बर्फ़ में। कोई छुट्टी का दिन नहीं। मन को कोई राहत नहीं। कोई पहचान नहीं।

उसकी अनुपस्थिति सांस्कृतिक है: यह मान लिया जाता है कि खेतिहर औरत "सँभाल लेती है"। हाँ, उसने सँभाल लिया। पर क़ीमत हमेशा वही चुकाती है।

उपसंहार - ओहायो

ओहायो एक ऐसा राज्य है जिससे बहुत कुछ छीना गया है, और जिसने उनसे छीनना सीख लिया है जिनकी आवाज़ सबसे कम है।

यहाँ की महिलाएँ चमत्कार नहीं माँगीं। वे स्थिरता, सुरक्षा, सच्चे अवसर माँगीं हैं। उन्हें इनके टुकड़े मिलते हैं।

ढह चुके औद्योगिक शहरों से लेकर ओपिऑइड से भरे मोहल्लों तक, बिना भविष्य वाले गोरे उपनगरों से लेकर कभी न थमने वाली खेतिहर ज़मीनों तक, महिलाएँ वह सब थामे रखती हैं जिसे राज्य अब नहीं थामता।

चिंतन – ओहायो

ओहायो में महिलाओं की अनुपस्थिति किसी एक कारण का नतीजा नहीं है। यह सारी टूटनों के मेल का नतीजा है: आर्थिक, सामाजिक, स्वास्थ्य की, पारिवारिक और सामुदायिक।

यहाँ औरत उस दरार में जीती है जो ओहायो के अतीत और उस भविष्य के बीच है जो अब वह कभी नहीं बन सकता।

यह एक ऐसी अनुपस्थिति है जो कोई शोर नहीं करती, क्योंकि यह सामान्य हो चुकी है।

और इन पत्रों का काम ठीक यही है: अदृश्य को दृश्य बनाना, उन्हें एक चेहरा देना जो सब कुछ थामे रहते हैं पर जिनका कभी नाम नहीं लिया जाता।

ओक्लाहोमा

ओक्लाहोमा अतीत और वर्तमान के बीच लगातार तनाव में जीता है। यह ज़मीन, हवा, चर्चों, ग्रामीण समुदायों, बदलाव से गुज़रते मझोले शहरों और एक ऐसी मूलनिवासी विरासत से भरा राज्य है जिसे राज्य ने केवल आधा ही माना है। यह एक ऐसी धरती है जिस पर हर तरह के तूफ़ान टूटते हैं: आर्थिक, जलवायु के, सामाजिक और सांस्कृतिक।

और हर तूफ़ान हमेशा उन्हीं कंधों पर गिरता है: महिलाओं के।

ओक्लाहोमा में महिलाएँ कठोर भूमिकाओं की दीवारों में चुन दी गई हैं, फैली हुई गरीबी से कुचली हुई हैं, एक ऐसे धर्म ने उन्हें अदृश्य बना दिया है जो परिवार की बातें बहुत करता है पर सच्ची सुरक्षा की बहुत कम। यह एक ऐसा राज्य है जो सहन करने पर फलता-फूलता है, और महिलाएँ उसके सबसे घिसे हुए स्तंभ हैं।

बाइबल बेल्ट की महिला – 32 वर्ष

हन्ना एक ऐसी दुनिया में पैदा हुई जहाँ सब कुछ पहले से तय था: कैसे कपड़े पहनने हैं, कैसे बोलना है, कैसे बरताव करना है, किस पर विश्वास करना है, किससे बचना है।

परिवार, समुदाय, चर्च: तीन संकेंद्रित घेरे जो उसकी ज़िंदगी तय करते हैं।

उसका एक पति है, दो बच्चे हैं और एक मामूली-सा घर है। उसका दिन इनसे बँटा है: – बच्चों का स्कूल – किराने की खरीदारी – चर्च – अनिवार्य स्वयंसेवा – पारिवारिक कर्तव्य – मन के लिए शून्य जगह।

वह शंका व्यक्त नहीं कर सकती। वह सच में चुन नहीं सकती। वह समुदाय की गद्दार ठहराए बिना पिंजरा नहीं छोड़ सकती।

उसकी अनुपस्थिति सांस्कृतिक और आध्यात्मिक है: वह लगातार मौजूद रहती है, पर एक काम करने वाली आकृति की तरह, एक पूरे इंसान की तरह नहीं।

मूलनिवासी महिला – 45 वर्ष

ओक्लाहोमा में देश की सबसे बड़ी अमेरिकी मूलनिवासी आबादियों में से एक है। पर संस्कृति और समृद्धि के बीच की खाई बहुत बड़ी है।

कायला चैरोकी नेशन की सदस्य है। वह एक सांस्कृतिक केंद्र में काम करती है। वह भाषा, परंपराओं, अनुष्ठानों और कहानियों को ज़िंदा रखती है।

उस दुनिया के बाहर, लेकिन, हक़ीक़त कठोर है: – कम पैसे वाले स्कूल – कमज़ोर स्वास्थ्य सेवा – फैली हुई लतें – कम वेतन वाली नौकरियाँ – महीन और लगातार भेदभाव। वह समुदाय, परिवार और पहचान को थामे रखती है। और कोई उसकी वैसी रक्षा नहीं करता जैसी वह हक़दार है।

उसकी अनुपस्थिति ऐतिहासिक है: राज्य ने अपनी पहचान मूलनिवासी लोगों पर बनाई और फिर उन्हें अकेला छोड़ दिया।

बवंडर से तबाह इलाक़ों की महिला – 39 वर्ष

ओक्लाहोमा बवंडरों से सबसे ज़्यादा प्रभावित राज्यों में से एक है। यह हर साल, हर मौसम में हो सकता है। और जब होता है, तो सब कुछ मिटा देता है।

रेचल एक ऐसे इलाके में रहती है जो बार-बार चपेट में आया है। अपनी ज़िंदगी में वह दो घर खो चुकी है: एक बचपन में, एक बड़ी होकर।

वह शिक्षिका है। और हर साल उसे अपने विद्यार्थियों को अभ्यास के लिए तैयार करना पड़ता है: छिपना, खुद को बचाना, डर की आवाज़ को अनसुना करना।

उसकी ज़िंदगी पुनर्निर्माणों से बनी है: घरों के, दिनचर्या के, स्थिरता के।

उसकी अनुपस्थिति जलवायु की है: यहाँ प्रकृति राज करती है, और नतीजे हमेशा परिवार भुगतते हैं, यानी महिलाएँ।

कम आय वाली महिला – 29 वर्ष

ब्रुकलिन—इलाके में एक आम नाम, कोई शहर नहीं— टल्सा के एक उपनगर में रहती है। पुराने घर, टूटी सड़कें, बसें जो जब मन करे तब आती हैं।

वह एक फ़ास्ट-फ़ूड रेस्तराँ में काम करती है। बँटी हुई शिफ्टें, आखिरी पल में बदलती समय-सारणी, न्यूनतम वेतन। उसकी तीन साल की एक बेटी है। डेकेयर का खर्च उसकी तनख्वाह से ज़्यादा है। उसके पास दो ही रास्ते हैं: बच्ची को किसी ऐसे के पास छोड़ना जिस पर उसे भरोसा नहीं, या नौकरी खो देना। उसकी दुनिया इनसे बनी है: – बकाया बिल – फ़ूड स्टैम्प – भागदौड़ – लगातार बेचैनी – छोटे पर कभी पूरे न हो सकने वाले सपने।

उसकी अनुपस्थिति आर्थिक और व्यवस्थागत है: ओक्लाहोमा उन्हें आगे धकेलता है जो पहले ही कामयाब हो चुके हैं और उन्हें पीछे छोड़ देता है जो इन उपनगरों में पैदा हुए।

उपसंहार – ओक्लाहोमा

ओक्लाहोमा एक ऐसा राज्य है जो सीधा-सादा लगता है, पर रहने के लिए सबसे कठिन राज्यों में से एक है।

महिलाएँ तीन विशाल ताक़तों की कैदी हैं: – धर्म, जो उन्हें फँसाता है – गरीबी, जो उन्हें निचोड़ती है – जलवायु, जो उन्हें तबाह करती है।

हर पुनर्निर्माण, हर बचाव, हर नाजुक संतुलन उसी से होकर गुज़रता है। पर राज्य शायद ही कभी कुछ लौटाता है।

चिंतन - ओक्लाहोमा

ओक्लाहोमा की स्त्री-अनुपस्थिति एक खतरनाक मिश्रण से पैदा होती है: मज़बूत परंपरा, लगातार गरीबी, अदृश्य मूलनिवासी पहचानें, और एक निर्मम प्रकृति।

यहाँ औरत एक लगातार विरोधाभास में जीती है: अपरिहार्य होना और अनदेखा किया जाना।

यह अध्याय एक बात साफ़ दिखाता है: कठिनाई न्याय नहीं है। सहन करना आज्ञादी नहीं है। ज़िंदा बचे रहना आगे बढ़ना नहीं है।

और ओक्लाहोमा में, बहुत बार, महिलाएँ जीती नहीं हैं: वे सहती हैं।

ओरेगन

ओरेगन संयुक्त राज्य अमेरिका के सबसे महीन विरोधाभास पर जीता है: एक साफ़, हरी, उदार छवि, पर्यटकों और चुनावी अभियानों के लिए एकदम सही, और एक सामाजिक हक़ीक़त जो गहरी दरारों से भरी है।

पोर्टलैंड, जिसे एक प्रगतिशील शहर के रूप में सराहा जाता है, बेघरी, लत, मानसिक स्वास्थ्य संकट और बढ़ती असमानता का भी एक विशाल केंद्र है। पोर्टलैंड के बाहर, ओरेगन बदलता हुआ है: अलग-थलग देहात, बेहद गरीब गोरे समुदाय, अस्थिर नौकरियाँ, न्यूनतम संसाधन, और दबे हुए तनाव।

यहाँ औरत भूमिका की कमी से नहीं, बल्कि बोझ की अधिकता से गायब होती है:

– एक आमदनी वाले परिवार – साथी पर निर्भरता – सेवाओं की कमी –
भौगोलिक अलगाव – अस्थिर काम – बेहिसाब खर्च – सच्ची सुरक्षा का अभाव

ओरेगन देखने में सुंदर है, पर रहने में कठोर।

पोर्टलैंड की महिला - 29 वर्ष

जूलिया पोर्टलैंड के ईस्ट साइड में रहती है। वह एक हेल्थ फूड स्टोर में काम करती है, बमुश्किल किराया चुका पाती है, और दो और लोगों के साथ एक घर साझा करती है।

पोर्टलैंड खुद को एक “खुला, संवेदनशील, सामाजिक” शहर बताता है, पर सच्चाई इनसे बनी है: – बेघर लोगों से भरी सड़कें – हर जगह मानसिक स्वास्थ्य संकट – ठसाठस भरी सेवाएँ – कम वेतन वाली नौकरियाँ – लगातार बढ़ते किराए। जूलिया उन लोगों में से है जिन्हें शहर अपनी “युवा भावना” के प्रतीक की तरह इस्तेमाल करता है, पर उसके साथ एक गुमनाम संख्या जैसा बरताव करता है।

उसकी अनुपस्थिति सामाजिक है: चर्चाओं में वह हर जगह है, पर समाधानों में कहीं नहीं।

रेस्तराँ उद्योग की आप्रवासी महिला –

34 वर्ष रोसा ग्वाटेमाला से आई है। वह एक ऐसे रेस्तराँ की रसोई में काम करती है जो हमेशा भरा रहता है, हमेशा शोर से भरा, हमेशा तनाव में।

दिन में दस घंटे, हफ़्ते में छह दिन। कम वेतन, कोई बीमा नहीं, लगातार पसीना, गर्मी और शोर।

कई पुरुष सहकर्मी सोचते हैं कि वे जैसे चाहें मज़ाक कर सकते हैं। वे यह बुरी नीयत से नहीं करते; वे यह अज्ञान और परंपरा से करते हैं। पर उस पर इसका बोझ पड़ता है। टिप्पणियाँ, नज़रें और भद्दे मज़ाक उसे खा जाते हैं।

काम के बाहर, वह अपने रिश्तेदारों को पैसे भेजती है। भीतर, वह सब कुछ चलाए रखती है।

उसकी अनुपस्थिति आर्थिक और सांस्कृतिक है: वह एक पूरे क्षेत्र को चलाती है पर सबके लिए अदृश्य रहती है।

ग्रामीण महिला – 52 वर्ष

पूर्वी ओरेगन में ऐसे कस्बे हैं जो 1985 में अटके हुए लगते हैं। कुछ ही घर, लंबी सड़कें, कड़ी सर्दियाँ, और टूटता-जुड़ता फ़ोन नेटवर्क।

कैरन इन्हीं में से एक में रहती है। उसका एक छोटा फ़ार्म है, कुछ पशु हैं, और एक दुकान में साइड जॉब है। वह सब कुछ खुद करती है। जब डॉक्टर की ज़रूरत हो, तो एक घंटा गाड़ी चलानी पड़ती है। जब कोई भी सेवा चाहिए, तो

दिनों पहले समय लेना पड़ता है। जब कुछ गलत होता है, तो वहाँ कोई नहीं होता।

उसकी अनुपस्थिति भौगोलिक है: वह दुनिया से दूर रहती है, और अपनी मर्ज़ी से नहीं।

वह महिला जो तबाह हुए परिवार को सँभालती है

लत से – 43 वर्ष ओरेगन लत की सबसे ऊँची दरों वाले राज्यों में से एक है। ओपिऑइड, मेथैम्फ़ेटामीन, शराब। एक धीमा हिमस्खलन जो कभी नहीं रुकता।

टेसा का एक साथी है जो अब खो चुका है। दो छोटे बच्चे। एक सुपरमार्केट में कैशियर की नौकरी। हर दिन उसे बच्चों की रक्षा करनी है, एक ऐसे आदमी से निपटना है जिसे वह अब पहचानती नहीं, घर का हिसाब सँभाले रखना है, और एक ऐसी व्यवस्था से लड़ना है जो कोई समाधान नहीं देती।

उसकी अनुपस्थिति संस्थागत है: समाज बरसों से एक “संकट” की बात कर रहा है, पर जो इसे घर में झेलते हैं उनके लिए कुछ नहीं बदलता।

उपसंहार – ओरेगन

ओरेगन एक ऐसा राज्य है जो अपना विज्ञापन अच्छा करता है, पर अपनी रक्षा बुरी तरह।

महिलाएँ दो छोरों के बीच जीती हैं: – एक दिखावटी प्रगतिशीलता – एक आक्रामक सामाजिक हक़ीक़त।

वही है जो असमानता की चोट झेलती है, जो नाज़ुक परिवारों को सँभालती है, जो सबसे ज़्यादा शोषित क्षेत्रों में काम करती है, जो राजनीति द्वारा भुलाए गए समुदायों को थामे रखती है।

ओरेगन की सुंदरता उसे बचाने के लिए काफ़ी नहीं है।

चिंतन - ओरेगन

ओरेगन में महिलाओं की अनुपस्थिति एक नंगी सच्चाई से पैदा होती है: सिर्फ यह कहना कि तुम आधुनिक हो, आधुनिक होने के लिए काफ़ी नहीं।

यहाँ महिलाएँ तीन क़ीमतें चुकाती हैं: – जीने का ख़र्च – अस्थिर काम – सामाजिक और भौगोलिक अलगाव।

यह एक ऐसी अनुपस्थिति है जो सीधे टकराव से नहीं, बल्कि आम बेरुख़ी से पैदा होती है।

और यह अध्याय साफ़ कर देता है: जंगलों, पहाड़ों, एकदम सही झीलों के पीछे एक ऐसा अमेरिका है जो काम नहीं करता। और उसका पूरा बोझ महिलाओं पर पड़ता है।

पेंसिल्वेनिया

पेंसिल्वेनिया अमेरिका के सबसे बँटे हुए राज्यों में से एक है। एक तरफ़ बड़े शहर—फ़िलाडेल्फ़िया और पिट्सबर्ग— इतिहास, असमानता, अधूरे पुनर्जन्मों में डूबे हुए, और ऐसे समुदाय जो अब भी खुले घाव लिए हैं। दूसरी तरफ़, एक ग्रामीण और रूढ़िवादी भीतरी इलाक़ा, फ़ार्म, बंद खदानें, ठहरे हुए कस्बे और पुराने ढर्रे की सोच।

यहाँ महिलाएँ चार तरीक़ों से गायब होती हैं: – गरीब उपनगरों में – हिंसा से चिह्नित अफ़्रीकी अमेरिकी समुदायों में – ठहरे हुए देहात में – उन आधुनिक शहरों में जो उन्हें खा जाते हैं।

पेंसिल्वेनिया एक ऐसा राज्य है जो कम लेकर पैदा होने वालों को माफ़ नहीं करता। और महिलाएँ, हमेशा की तरह, वही हैं जो सबसे ऊँची क़ीमत चुकाती हैं।

फ़िलाडेल्फ़िया के गरीब उपनगरों की महिला

– 34 वर्ष शान नॉर्थ फ़िलाडेल्फ़िया में रहती है। यह एक कठिन मोहल्ला है, संघर्ष करते स्कूलों और ऐसी सड़कों वाला जहाँ दिन-दहाड़े भी तनाव महसूस होता है।

वह एक डिस्काउंट स्टोर में काम करती है। उसकी छह साल की एक बेटी है। हर सुबह वह उसे स्कूल छोड़ने जाती है उम्मीद और डर के मिले-जुले भाव के साथ: उम्मीद कि उसका भविष्य बेहतर होगा, डर कि मोहल्ला उसे निगल जाएगा।

वेतन कम हैं, खर्च ऊँचे हैं, सेवाएँ नाकाफ़ी हैं। शहर अपने "पुनरुत्थान" का जश्न मनाता है, पर पुनरुत्थान उसके घर तक कभी नहीं पहुँचता।

उसकी अनुपस्थिति शहरी है: वह ठीक उस बिंदु पर जीती है जहाँ शहर तय करता है कि कौन ध्यान का हक़दार है और कौन नहीं।

पिट्सबर्ग की रस्ट बेल्ट की महिला – 48 वर्ष

पिट्सबर्ग "टेक", "यूनिवर्सिटी" और "इनोवेटिव" बन गया है। पर मज़दूरों का शहर गायब नहीं हुआ: वह बस उपनगरों में चला गया है, जहाँ कोई नहीं देखता।

लिंडा वेल्डर थी। जब कारख़ाना बंद हुआ, उसे सिर्फ़ पार्ट-टाइम नौकरियाँ मिलीं: सुपरमार्केट, सफ़ाई और सेवा।

आर्थिक बदलाव ने उच्च शिक्षित युवाओं को इनाम दिया है। उसके जैसी महिलाओं को नहीं।

उसकी अनुपस्थिति औद्योगिक है: नए शहर ने उनके लिए जगह नहीं बनाई जिन्होंने पुराना शहर बनाया था।

ग्रामीण महिला – 55 वर्ष

शहरों के बाहर, पेंसिल्वेनिया एक दूसरा देश है: पहाड़ियाँ, फ़ार्म, छोटे-छोटे कस्बे, हर जगह चर्च, एक ऐसी सोच जो पीढ़ियों से नहीं बदली।

मैरी यहीं बड़ी हुई। उसका एक घर है, ज़मीन का एक टुकड़ा है, एक पति है जो कभी-कभी काम करता है, और बड़े हो चुके बच्चे हैं।

वह सब कुछ करती है: – घर – पशु – बिल – खाना पकाना – बुजुर्गों की देखभाल – परिवारों के बीच पुल बनना।

उसका सम्मान होता है, ज़रूर। पर एक काम की तरह, एक व्यक्ति की तरह नहीं।

उसकी अनुपस्थिति सांस्कृतिक है: हर भूमिका पहले से लिखी हुई है।

एलनटाउन की आप्रवासी महिला – 37 वर्ष

एलनटाउन लातीनी, अफ्रीकी, अरब और एशियाई आप्रवासियों से भरा है। अर्थव्यवस्था उन्हीं पर टिकी है।

रीम एक कारखाने में सुबह की शिफ्ट में काम करती है। उसका पति रात की शिफ्ट में काम करता है। वे दिन में बस कुछ ही घंटे एक-दूसरे को देख पाते हैं।

वेतन कभी काफ़ी नहीं होता, काम शारीरिक है, असेंबली लाइनें शोर भरी और बेरहम हैं।

वह दो भाषाएँ बोलती है, तीन बच्चे पालती है, और ज़रूरत पड़ने पर दोहरी शिफ्ट करती है। उसकी अनुपस्थिति आर्थिक और भाषाई है: शहर में वह एक अपरिहार्य उपस्थिति है, पर फ़ैसले लेने वालों के लिए उसका अस्तित्व नहीं है।

उपसंहार – पेंसिल्वेनिया

पेंसिल्वेनिया एक ऐसा राज्य है जो बीच में जीता है: आधा आधुनिक, आधा अटका हुआ, आधा अमीर, आधा गरीब, आधा प्रगतिशील, आधा अतीत में अटका हुआ।

महिलाएँ दरारों में जीती हैं। और वे वह सब थामे रखती हैं जो ढह रहा है: परिवार, स्कूल, मोहल्ले, नाजुक अर्थव्यवस्थाएँ।

पर व्यवस्था उसे एक अतिरिक्त पात्र मानती है, कभी नायिका नहीं।

चिंतन – पेंसिल्वेनिया पेंसिल्वेनिया में महिलाओं की अनुपस्थिति एक भीतरी दूरी से पैदा होती है: उस दूरी से जो राज्य के अतीत और उस बीच है जो वह बनना चाहेगा।

बड़े शहर खा जाते हैं, देहात सिकुड़ता है, बीच की अर्थव्यवस्थाएँ हाथ छोड़ देती हैं।

औरत बीच में पिसकर रह जाती है, जहाँ सच में कोई नहीं देखता।

यह अध्याय साफ़ कर देता है: थकान एक दिन की आपात स्थिति नहीं है, यह हज़ारों महिलाओं का रोज़ का नियम है।

रोड आइलैंड

रोड आइलैंड उस सब का लघु रूप है जो अमेरिका में चलता है और जो टूटता है: – महँगे तटीय शहर – गरीब उपनगर – गायब हो चुका उद्योग – विशाल प्रवासी समुदाय – सीमित सेवाएँ – आँखों में चुभते सामाजिक विरोधाभास।

प्रोविडेंस इसका केंद्र है: सांस्कृतिक, शैक्षणिक और कलात्मक। पर विश्वविद्यालयों के बगल में पूर्व की कुछ सबसे कम आँकी गई शहरी गरीबी बसी है। शहर के बाहर, छोटे कस्बे न्यूनतम नौकरियों, मौसमी समुद्री काम और उन उद्योगों पर जीते हैं जो लौटकर नहीं आते।

यहाँ औरत दबाव में भिंचकर गायब होती है:

सब कुछ बहुत महँगा है, सब कुछ बहुत पास है, सब कुछ इतना छोटा है कि बचकर निकला नहीं जा सकता।

प्रोविडेंस की लातीना महिला – 30 वर्ष

मारिसोल साउथ साइड में रहती है, जो शहर के सबसे गरीब मोहल्लों में से एक है। वह भोर में दफ़्तरों की सफ़ाई करती है और रात में रेस्तराँ की। दो नौकरियाँ, कोई सुरक्षा नहीं।

प्रोविडेंस खुद को “रचनात्मक शहर” कहलाना पसंद करता है। उसके लिए रचनात्मकता का मतलब बस किसी तरह गुज़ारा कर लेना है।

उसके पास कोई बीमा नहीं है। उसके पास कोई छुट्टी नहीं है। उसके पास कोई गुंजाइश नहीं है।

उसकी अनुपस्थिति आर्थिक और भाषाई है: वह तीन लोगों जितनी मेहनत करती है, पर राज्य के लिए वह एक आँकड़ा है।

पढ़ाई के साथ काम करने वाली महिला – 22 वर्ष

ब्राउन यूनिवर्सिटी दुनिया भर से विद्यार्थियों को खींचती है। पर मामूली परिवारों से आने वाले एक अलग रोड आइलैंड को जीते हैं।

रेचल समाजशास्त्र पढ़ती है, एक लाइब्रेरी में काम करती है, सप्ताहांत में बारटेंडर का काम करती है, और एक बहुत महंगा स्टूडियो अपार्टमेंट साझा करती है।

वह बुद्धिमान है, सक्षम है, दृढ़ है, पर वह भारी दबाव में है: – पढ़ाई – काम – कर्ज़ – अनिश्चित भविष्य।

उसकी अनुपस्थिति शैक्षणिक है: विश्वविद्यालय विविधता का जश्न मनाता है पर उनकी रक्षा नहीं करता जो पढ़ाई और ज़िंदा रहने को साथ-साथ जोड़ते हैं।

मौसमी तट की महिला – 41 वर्ष

न्यूपोर्ट घूमने आने वालों के लिए सुंदर है। साल भर वहाँ रहने वालों के लिए एक आफ़त।

टान्या गर्मियों में बंदरगाह पर एक रेस्तराँ में काम करती है। सर्दियों में वह जो भी काम मिले, ढूँढती है: दुकानें, सफ़ाई, छोटे-मोटे ठेके।

अमीर पर्यटक, गरीब निवासी।

उसकी अनुपस्थिति मौसमी है: तीन महीने वह अपरिहार्य है, बाक़ी नौ महीने अदृश्य।

छोटे कस्बे की महिला – 54 वर्ष

प्रोविडेंस के बाहर एक भुलाया हुआ रोड आइलैंड है: पुरानी कपड़ा मिलें, लाल इमारतें, घिसी हुई सड़कें। लिंडा एक औद्योगिक लॉन्ड्री में काम करती है। एक जैसी दोहराई जाने वाली हरकतें, गर्म भाप, कभी न ख़त्म होने वाली शिफ़्टें।

वेतन न्यूनतम है, काम कठिन है, भविष्य वैसा ही बना रहता है।

उसकी अनुपस्थिति औद्योगिक है: वह एक ऐसे आर्थिक अतीत की छाया में काम करती है जो कभी नहीं लौटेगा।

उपसंहार – रोड आइलैंड

रोड आइलैंड छोटा है, पर उसकी समस्याएँ विशाल हैं: ऊँचे किराए, कम वेतन, सीमित अवसर।

महिलाएँ इस सब के नीचे कुचली हुई जीती हैं। हमेशा सबसे आगे की पंक्ति में, कभी सुरक्षित नहीं।

चिंतन – रोड आइलैंड

यहाँ महिलाओं की अनुपस्थिति एक विरोधाभास से पैदा होती है: एक नन्हा-सा राज्य, जो किसी की भी रक्षा करने में असमर्थ है।

यह सूक्ष्म जगहों और सूक्ष्म मौकों से बनी अनुपस्थिति है: ऊपर चढ़ने के लिए बहुत छोटी, बचकर निकलने के लिए बहुत तंग।

और इन घुटी हुई जगहों में, महिलाएँ एक पूरा राज्य चलाती हैं जो उन्हें भूदृश्य का हिस्सा मानता है।

साउथ कैरोलाइना

साउथ कैरोलाइना तीखे विरोधाभासों का राज्य है: एकदम सही समुद्र तट और चरम गरीबी, औपनिवेशिक इतिहास और अब भी गरीब अश्वेत समुदाय, बढ़ते शहर और ठहरे हुए उपनगर, तस्वीर जैसा पर्यटन, और कम वेतन वाली नौकरियाँ। यह उन जगहों में से एक है जहाँ परंपरा, धर्म, परिवार, बेहिसाब खर्चों और कमज़ोर सेवाओं के बीच महिलाएँ सबसे भारी बोझ उठाती हैं। और यह उन देशों में से भी एक है जहाँ महिलाओं की आज़ादी पर अब भी बहस होती है, उसे सीमित और नियंत्रित किया जाता है।

साउथ कैरोलाइना ज़रूरत पड़ने पर अच्छे कपड़े पहन लेता है, पर उसकी रीढ़ को वे महिलाएँ थामे हुए हैं जिन्हें कोई नहीं देखता।

लो कंट्री की अफ्रीकी अमेरिकी महिला – 36

वर्ष

अमीना चार्ल्सटन में, एक गुल्ला गीची समुदाय में रहती है। वह एक विशाल सांस्कृतिक विरासत ढोती है: गुलामी, प्रतिरोध और हर हाल में बचाए रखी गई पहचान का इतिहास।

वह शहर के बीचोंबीच एक पर्यटक रेस्तराँ में काम करती है। वह अपनी संस्कृति से प्रेरित व्यंजन ऐसे लोगों को परोसती है जो उसके इतिहास के बारे में कुछ नहीं जानते।

वह माँ है, बेटी है, और कामगार है। वह लंबी शिफ्टें करती है, शहर के हिसाब से ऊँचा पर यहाँ रहने के हिसाब से कम वेतन पाती है, क्योंकि चार्ल्सटन उन्हीं के लिए बहुत महँगा हो गया है जो वहाँ पैदा हुए।

उसकी अनुपस्थिति ऐतिहासिक और शहरी है: यहाँ अश्वेत लोगों का इतिहास हर चीज़ की नींव है, पर वह आधिकारिक कथा से बाहर रहता है।

रूढ़िवादी दक्षिण की गोरी महिला – 42

वर्ष

मेगन एंडरसन और ग्रीनवुड के बीच एक ग्रामीण इलाके में रहती है। उसका परिवार रूढ़िवादी है, चर्च केंद्र में है, और समुदाय बंद है। यहाँ नियम लिखे नहीं होते, पर वे क़ानून से भी सख्त हैं। उसका पति निर्माण के काम में है, वह एक डिपार्टमेंट स्टोर में कैशियर है।

हर फ़ैसला तौला जाता है: कैसे कपड़े पहनने हैं, क्या कहना है, क्या सोचना है। तलाक़ को कांड माना जाता है। बच्चे न होना पाप है। स्वायत्तता माँगना “आस्था की कमी” है।

उसकी अनुपस्थिति सांस्कृतिक है: वह दूसरों की तय की हुई भूमिका में जीती है, और उसे बदलने का मतलब है सब कुछ खो देना।

मर्तल बीच में पर्यटन की महिला – 29 वर्ष

जेमी तट पर एक होटल में काम करती है। गर्मियों में फ्रंट डेस्क, सर्दियों में सफ़ाई, जो भी ज़रूरत हो।

मर्तल बीच घूमने आने वालों को स्वर्ग लगता है, पर वहाँ काम करने वालों के लिए एक पिंजरा है: कम वेतन, ऊँचे किराए, पूरी तरह मौसमी काम, शून्य स्थिरता।

जेमी एक छोटे, साझा अपार्टमेंट में रहती है। वह हफ्ते में छह दिन काम करती है। और जब मौसम खत्म होता है, उसे बस एक हल्की सर्दी की उम्मीद करनी पड़ती है।

उसकी अनुपस्थिति आर्थिक है: सब कुछ पर्यटकों के इर्द-गिर्द घूमता है; निवासियों के इर्द-गिर्द कुछ नहीं।

बिना बीमे वाली महिला – 55 वर्ष

साउथ कैरोलाइना स्वास्थ्य सेवा तक सबसे कम पहुँच वाले राज्यों में से एक है। कई कामकाजी महिलाओं का कोई बीमा नहीं है। कई ज़रूरी इलाज छोड़ देती हैं। लिंडा एक क्लिनिक में सफ़ाईकर्मी है। वह हर दिन स्वास्थ्य सेवा को भीतर से देखती है, पर अपने लिए उसका खर्च नहीं उठा सकती।

उसके हाथों में पुराना दर्द है, पर वह रुक नहीं सकती। उसे मेडिकल जाँच से डर लगता है क्योंकि वह जानती है कि वह इलाज का खर्च नहीं उठा पाएगी।

उसकी अनुपस्थिति स्वास्थ्य का मसला है: वह दूसरों की देखभाल के इर्द-गिर्द काम करती है और उसे अपनी देखभाल का कोई हक़ नहीं।

उपसंहार – साउथ कैरोलाइना

साउथ कैरोलाइना एक ऐसा राज्य है जो आधुनिकता और परंपरा के बीच, दिखती दौलत और छिपी गरीबी के बीच, लगातार तनाव में जीता है।

महिलाएँ सारे विरोधाभासों की क्रीमत चुकाती हैं: – कठोर धर्म – बंद भूमिकाएँ – शोषण करने वाला पर्यटन – गहरी जड़ों वाला नस्लवाद – पहुँच से बाहर स्वास्थ्य सेवा – बहुत कम वेतन।

वह एक सहारा देने वाला स्तंभ है, पर उसके साथ एक छोटी-सी सजावट जैसा बरताव होता है।

चिंतन – साउथ कैरोलाइना

यहाँ महिलाओं की अनुपस्थिति इनके एकदम सटीक गुंथाव से पैदा होती है: बोझिल इतिहास, हावी धर्म, और एक नाजुक अर्थव्यवस्था।

महिलाएँ अतीत और वर्तमान के बीच फँसी जीती हैं: अतीत उन्हें सीमित करता है, वर्तमान उन्हें खा जाता है, और भविष्य की कोई गारंटी नहीं।

और यह अध्याय नंगी सच्चाई को सामने लाने के लिए है: साउथ कैरोलाइना इसलिए धीमा नहीं है कि वह धीमा होना चाहता है। वह धीमा है क्योंकि वह बदलना नहीं चाहता। और इस निष्क्रियता की क्रीमत हमेशा महिलाएँ चुकाती हैं।

फर्दिनांदो फ्रेगा